ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 06 मार्च 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 291

राज्यसभा जाने के फैसले पर अड़े नीतीश, भावुक हुई जदयू बैठक; विधायकों ने निशांत को राजनीति में लाने पर जताई सहमति

24 न्यूज अपडेट

पटना। मुख्यमंत्री आवास में शुक्रवार को हुई नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के विधायकों और मंत्रियों के साथ अहम बैठक भावुक माहौल में समाप्त हुई। बैठक में कई विधायकों ने मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के निर्णय पर आपत्ति जताई, लेकिन नीतीश कुमार अपने फैसले पर अडिग दिखाई दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे राज्यसभा जाएंगे और वहीं से बिहार की राजनीति और सरकार की गतिविधियों पर नजर बनाए रखेंगे। बैठक में मौजूद विधायक विनय चौधरी ने बताया कि चर्चा के दौरान माहौल बेहद भावुक हो गया। कई विधायक मुख्यमंत्री से अपना निर्णय वापस लेने की अपील करते नजर आए। इस दौरान नीतीश कुमार भी भावुक हो गए, वहीं कुछ विधायक उनकी स्थिति देखकर रो पड़े। विधायकों ने एक स्वर में उनसे राज्यसभा जाने का फैसला टालने का आग्रह किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा—"अब छोड़ दीजिए, मुझे जाने दीजिए।" बैठक में आगे भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार को सक्रिय राजनीति में लाने के प्रस्ताव पर उपस्थित विधायकों ने हाथ उठाकर सहमति जताई। पार्टी नेताओं का कहना है कि निशांत कुमार शनिवार को औपचारिक रूप से जदयू की सदस्यता ले सकते हैं। इस अहम बैठक में राज्य सरकार के मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी और संजय झा मौजूद रहे, जबकि निशांत कुमार बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने अलग-अलग समय पर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस बीच जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार की इच्छा के विरुद्ध पार्टी में कोई निर्णय नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला भी अंततः नीतीश कुमार ही करेंगे। उधर मुख्यमंत्री के राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी असंतोष देखने को मिल रहा है। पटना स्थित जदयू कार्यालय के बाहर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को कुछ कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के पोस्टर पर कालिख पोतकर विरोध जताया। शहर में कई स्थानों पर पोस्टर भी लगाए गए हैं, जिनमें लिखा है—"नीतीश सेवक कर रहा पुकार, नेता करें अपने निर्णय पर विचार।"

यूपीएससी सिविल सर्विस 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी, चित्तौड़गढ़ के अनुज अग्निहोत्री बने ऑल इंडिया टॉपर; 958 उम्मीदवार चयनित

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने सिविल सर्विस परीक्षा 2025 का फाइनल परिणाम जारी कर दिया है। इस वर्ष कुल 958 अभ्यर्थियों का विभिन्न सेवाओं के लिए चयन हुआ है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा निवासी अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। परिणाम के अनुसार 180 अभ्यर्थियों का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लिए हुआ है। इसके अलावा 55 उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) तथा 150 अभ्यर्थी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए चयनित किए गए हैं। टॉप 10 में इस बार तीन छात्राओं ने भी स्थान बनाया है, जो महिला प्रतिभागियों की मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है। टॉपर अनुज अग्निहोत्री पहले भी दो बार यूपीएससी

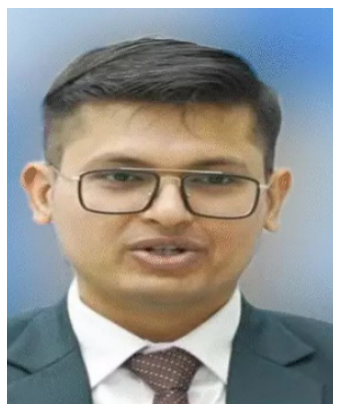

परीक्षा पास कर चुके हैं। यूपीएससी 2023 में अपने पहले प्रयास में ही उनका चयन हुआ था और उन्हें दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति मिली थी। अनुज के पिता के.बी. अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर में कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने रावतभाटा के परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय से पढ़ाई की और 12वीं कक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। उन्हें टेबल टेनिस खेलना भी पसंद है।

तीसरी रैंक पर एकांश ढुल

हरियाणा के पंचकूला निवासी एकांश ढुल ने तीसरी रैंक हासिल की है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बीए ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की है। उनके पिता कृष्ण ढुल भाजपा से जुड़े हुए हैं, जबकि उनकी मां निर्मला ढुल स्कूल प्रिंसिपल हैं। इससे पहले एकांश ने यूपीएससी 2024 में 342वीं और 2025 में 295वीं रैंक हासिल की थी।

परचून दुकानदार की बेटी बनी आईएएस

उत्तर प्रदेश के शामली की आस्था जैन ने नौवीं रैंक हासिल की है। आस्था ने इससे पहले यूपीएससी 2024 में 131वीं रैंक प्राप्त कर आईपीएस सेवा हासिल की थी और हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्होंने प्रशिक्षण से छुट्टी लेकर दोबारा तैयारी की और सेल्फ स्टडी के दम पर टॉप-10 में जगह बनाई।

होली पर टमाटरों की अनोखी राड़: युवाओं ने एक-दूसरे पर बरसाए 5 क्विंटल टमाटर

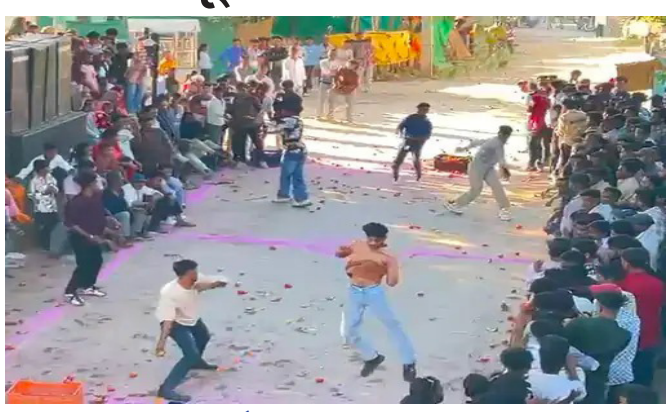

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डेंडोरवाड़ा में होली के अवसर पर अनोखी परंपरा देखने को मिली, जहां युवाओं ने 'टमाटर राड़' खेलते हुए एक-दूसरे पर जमकर टमाटर बरसाए। इस दौरान करीब 5 क्विंटल से धिक टमाटर फेंके गए, जिससे पूरा चौक और सड़क लाल टमाटरों से पटी नजर आई। आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में होली अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाई जाती है। इसी कड़ी में सागवाड़ा क्षेत्र का डेंडोरवाड़ा गांव अपनी टमाटर राड़ के लिए खास पहचान रखता है। कार्यक्रम के दौरान डेंडोरवाड़ा चौक पर ढोल-कुंडी की थाप के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा जुटे। इसके बाद युवाओं की दो टोलियां बनाई गईं और दोनों ओर टमाटरों के कैरेट रखे गए। संकेत मिलते ही दोनों पक्षों के युवाओं ने एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने शुरू कर दिए। कुछ ही देर में पूरा इलाका टमाटरों से भर गया और देखने वालों की भीड़ जुट गई। टमाटरों की यह राड़ न केवल युवाओं बल्कि आसपास खड़े दर्शकों के लिए भी रोमांचक दृश्य बन गई।

गौरतलब है कि जिले में होली के दौरान अलग-अलग परंपराएं प्रचलित हैं। कोकापुर में जहां लोग जलते अंगारों पर चलने की परंपरा निभाते हैं, वहीं भीलूड़ा में पत्थरमार होली खेली जाती है। उसी श्रृंखला में डेंडोरवाड़ा की टमाटर राड़ भी क्षेत्र की अनोखी और आकर्षक परंपरा मानी जाती है।

वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2026 की रिपोर्ट- मोटापा बना 'साइलेंट महामारी

24 न्यूज अपडेट

अगर आप मानते हैं कि दुनिया में बच्चों की सबसे बड़ी समस्या कुपोषण या कम वजन है, तो अब तस्वीर बदल रही है।

वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 से 2027 के बीच दुनिया में कम वजन वाले बच्चों से ज्यादा संख्या मोटापे के शिकार बच्चों की हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब बच्चों में मोटापे के मामले में चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यहां बचपन का मोटापा अब एक 'साइलेंट महामारी' बनता जा रहा है।

2025 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 5 से 19 वर्ष की उम्र के 4.1 करोड़ बच्चे उच्च बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) के साथ जी रहे हैं। इनमें से करीब 1.4 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं।

2010 से 2025 के बीच भारत के 5-19 वर्ष के बच्चों में उच्च बीएमआई 4.8% की सालाना दर से बढ़ा है। वहीं 5 से कम उम्र के बच्चों में भी मोटापा 4.4% की सालाना दर से बढ़ रहा है।

मेवाड़ क्षेत्र के कॉलेजों की संबद्धता एमएमयू जोधपुर में स्थानांतरित करने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग कृपलानी ने की मेवाड़ क्षेत्र के लिए पृथक नवीन मेडिकल विश्वविद्यालय स्थापना की मांग

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा (कविता पारख)। मेवाड़ क्षेत्र के मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग एवं फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की संबद्धता को राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस (आरयूएचएस), जयपुर से मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी (एमएमयू), जोधपुर में स्थानांतरित करने के निर्णय को लेकर राजस्थान विधानसभा में मुद्दा उठाया गया। पूर्व यूडीएच मंत्री एवं निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने इस विषय को नियम 131 के अंतर्गत ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सदन में उठाते हुए सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया तथा निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। इसके साथ ही कृपलानी ने मेवाड़ क्षेत्र के लिए अलग से नवीन मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग रखी। विधायक कृपलानी ने कहा कि मेवाड़ क्षेत्र के कई मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग एवं फिजियोथेरेपी कॉलेजों की संबद्धता आरयूएचएस, जयपुर से हटाकर एमएमयू, जोधपुर से जोड़े जाने के हालिया निर्णय को लेकर संस्थानों के प्रबंधन, संकाय तथा विद्यार्थियों में चिंता का माहौल है। इस परिवर्तन से शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कृपलानी ने यह भी कहा कि जोधपुर में प्रशासनिक ढांचे, संकाय तथा लॉजिस्टिक व्यवस्था की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर भी अभी कई चुनौतियां हैं, जबकि वर्तमान में इन व्यवस्थाओं का संचालन आरयूएचएस, जयपुर द्वारा सुचारू रूप से किया जा रहा है। ऐसे में अचानक किए गए इस परिवर्तन से संस्थानों के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत हो सकती है:तेल कंपनियों को LPG प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश; सरकार ने इमरजेंसी पावर इस्तेमाल किया

24 न्यूज अपडेट

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत बढ़ सकती है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने ये आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनयां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी।

सिलेंडर की किल्लत रोकने के लिए सरकार का आदेश

सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है।

सोना 3 दिन में 8720 सस्ता, 1.59 लाख पर आया:चांदी 29,125 गिरकर 2.61 लाख पर आई, 36 दिन में 1.25 लाख सस्ती हुई

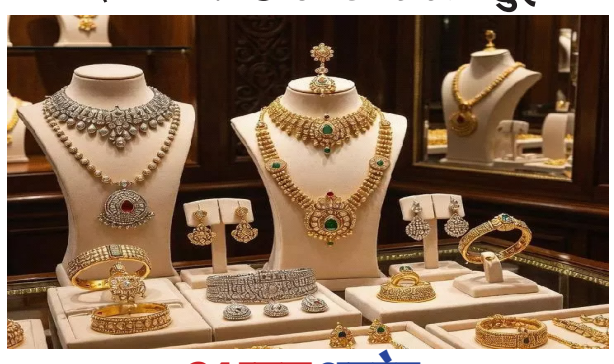

24 न्यूज अपडेट

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 6 मार्च (शुक्रवार) को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,835 रुपए घटकर 1,58,751 पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,60,586 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना 3 दिन में 8,720 सस्ता हुआ है।

वहीं एक किलो चांदी 3,489 रुपए गिरकर 2,60,723 पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 लाख रुपए प्रति किलो थी। ये 3 दिन में 29,125 रुपए सस्ती हुई है। सोना-चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई है।

सेंसेक्स 1097 अंक गिरकर 78,919 पर आया:निफ्टी में 315 अंकों की गिरावट; बैंक, रियल्टी और ऑटो शेयरों में बिकवाली

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 6 मार्च को गिरावट रही। सेंसेक्स 1097 अंक (1.37%) गिरकर 78,919 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 315 अंक (1.27%) की गिरावट रही। ये 24,450 पर आ गया। आज के कारोबार में बैंक, रियल्टी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही।

जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और इसे सोने-चांदी जैसी सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

संपादकीय : युद्ध का दायरा

इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का दायरा दूसरे क्षेत्रों में भी फैलेगा और इससे वैसे देश भी प्रभावित होंगे, जो इस जंग में भागीदार नहीं हैं। दोनों पक्षों के बीच घातक हथियारों के जरिए जारी हमले युद्ध के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं, तो इसके समांतर अब ऐसे फैसले भी सामने आने लगे हैं, जो अगर लंबे समय तक टिके से इसे दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी। गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों के जरिए सैन्य हमलों का मोर्चा खोला हुआ है। मगर एक बड़े रणनीतिक फैसले के तहत उसने अपने प्रभाव क्षेत्र में आने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह बंद कर दिया है, अगर जल्द ही उसे खोलने के लिए ठोस प्रयास नहीं हुए, तो कई देशों के सामने ऊर्जा का संकट गहरा सकता है। होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है। स्वाभाविक ही इस बात की आशंका अभी से जताई जाने लगी है कि अगर संकट गहराया, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और इसके बाद हवाई किराए, माल ढुलाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बदलाव करना एक मजबूरी की नीति बन सकती है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बाधित होने का व्यापक और बहुस्तरीय असर पड़ सकता है। फिलहाल ईरान ने इस रास्ते से सिर्फ चीन को आवाजाही की अनुमति दी है और कहा है कि अन्य देशों के जहाजों, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के समर्थक देशों के टैंकरों को रास्ता नहीं दिया जाएगा। अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेल और ऊर्जा के लिए जिन देशों की होमुर्ज जलडमरूमध्य के रास्ते पर निर्भरता है, वहां ईरान के इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ सकता है। निश्चित तौर पर भारत पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा और अभी से इसका हल खोजने की कोशिश शुरू हो गई है. लेकिन जिस रास्ते से भारत अपने चालीस फीसद तेल की आपूर्ति पूरी करता है, उसमें तुरंत इसका नया विकल्प निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य को एक संकरे समुद्री रास्ते से ज्यादा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की 'धड़कती नस' और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसके बाधित होने पर कई देश इसके असर की जद में आएंगे। भारत के पास फिलहाल छह से आठ हफ्ते का तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और इस बीच अगर होन का रास्ता खोलने के प्रयास सफल नहीं हुए, तो ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस से भी तेल खरीदने की कोशिश हो सकती है। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी हुई तो भारत के आयात खर्च में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसके समांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर गंभीर असर पड़ेगा। यह समझना मुश्किल नहीं है कि तेल या ऊर्जा के लिए होर्मुज के रास्ते पर निर्भर अन्य देश ईरान के फैसले से किस स्तर तक प्रभावित होंगे। ऐसे में समूचे पश्चिम एशिया में फैल चुके युद्ध को रोकने और तनाव को कम करने के उद्देश्य से इसमें शामिल पक्ष के साथ बिना देरी किए बातचीत की गुंजाइश निकालना सबसे जरूरी और प्राथमिक होना चाहिए।

स्त्री की सेहत

दुनियाभर में महिलाओं के सामने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। इसमें एक बड़ा खतरा गर्भाशय और स्तन कैंसर के रूप में देखा जा रहा है। बीते तीन दशकों में स्तन कैंसर के मामलों में जिस तरह तेज बढ़ोतरी हुई है, वह बेहद चिंताजनक है। इस संबंध में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फार हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवेल्यूशन' का जो अध्ययन सामने आया है, वह भयावह तस्वीर सामने रखता है। अध्ययन के मुताबिक, भारत में वर्ष 2023 में कैंसर के दो लाख से अधिक मामले सामने आए। गौरतलब है कि वर्ष 1990 के मुकाबले यह 477 फीसद अधिक है इससे प्रभावित होने वालों में से एक लाख से अधिक मौत हो गई। इस रोग में इतनी तेज बढ़ोतरी की स्थिति क्यों पैदा हुई, इसे समझने की जरूरत है। इसमें कोई दोराय नहीं कि स्तन कैंसर किसी भी महिला के लिए एक दुस्वप्न की तरह है। इसका उन पर शारीरिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। सवाल है कि स्तन कैंसर की रोकथाम के लिए देश भर में समय-समय पर चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान की पहुंच जमीनी स्तर पर लोगों तक क्यों नहीं है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है ! आमतौर पर निम्न और निम्न मध्य आय वाले देशों की महिलाएं ही इसकी चपेट में आ रही है। जबकि उच्च आय वाले देशों में तस्वीर इससे अलग है। भारत में वर्ष 1990 से लेकर वर्ष 2023 के बीच में स्तन कैंसर के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी को अब इसलिए भी गंभीरता से लेने की जरूरत है कि आमतौर पर निम्न आय वर्ग की ही नहीं, सामान्य घरों की महिलाएं भी अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं। वे चिकित्सकों के पास जाने से हिचकिचाती हैं। समुचित चिकित्सा सुविधा देर से मिलने के कारण कई महिलाएं कैंसर के अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है ऐसी परिस्थिति में उनकी जान बचाने की कोशिशें नाकाम हो जाती हैं। इस लिहाज से देखें, तो स्तन कैंसर पर नियंत्रण के लिए कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। खासतौर पर इस चुनौती से निपटने के लिए इससे संबंधित जरूरी सावधानी बरतने के साथ-साथ समय पर जांच और इलाज कराने के लिए महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाना होगा।

गिर्वा में जल जीवन मिशन अधूरा, टंकी का मुहूर्त हुआ पर पानी नहीं पहुँचा-विधानसभा में उठी आवाज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने विधानसभा में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को लेकर सरकार का ध्यान खींचा। पर्ची के माध्यम से मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र में कई जगहों पर योजना के काम वर्षों से अधूरे पड़े हैं, जिससे गर्मी के मौसम में लोगों को पानी की भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। विधायक ने बताया कि गिर्वा क्षेत्र की तीतरड़ी ग्राम पंचायत में पानी की टंकी का मुहूर्त तो कर दिया गया, लेकिन आज तक वहां से लोगों को पानी नहीं मिला। निर्माण के दौरान कठोर चट्टान (हार्ड रॉक) आने पर काम बीच में ही छोड़ दिया गया। उन्होंने सुझाव दिया था कि यदि पिलर पर टंकी बनाना संभव नहीं है तो प्लेटफॉर्म बनाकर टंकी तैयार की जाए, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मीणा ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत वर्ष 2021 में किए गए टेंडर के अनुसार कार्य 2024 तक पूरे होने थे, लेकिन कई स्थानों पर अब तक काम अधूरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण योजनाओं की प्रगति प्रभावित हुई है। विधायक के अनुसार उनके विधानसभा क्षेत्र के एक मंडल की 15 पंचायतों में से एक भी पंचायत में योजना का काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने सीसारमा, कालारोही, गोरेला, बुझड़ा, कलड़वास, एकलिंगपुरा, देबारी, चासंदा, उमरड़ा, धोल की पाटी, कानपुर, कानपुर खेड़ा, डाकनकोटड़ा, पई, तीतरड़ी, धार, कुंडाल, गहलोतों का बांस, निहाल, बरड़ा, मोरवानिया, सीसारमा की अंबावाड़ी, गोडान और चौकड़िया के नोहरा कमली जैसे गांवों का उदाहरण देते हुए स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने यह भी कहा कि दो फर्मों—मैसर्स मनोज बागड़ी और मैसर्स प्रकाश बिल्डर—को अलग-अलग पंचायतों में कार्य दिए गए थे, लेकिन अभी तक किसी भी स्थान पर पूरा काम नहीं हुआ है। विधायक ने सरकार से मांग की कि योजना की वास्तविक स्थिति की समीक्षा कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए और ग्रामीणों को जल्द पानी उपलब्ध कराया जाए।

सर्विस रिवॉल्वर अनलोड करते समय चली गोली, भीलवाड़ा में ASI की दर्दनाक मौत

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब सर्विस रिवॉल्वर को अनलोड करते समय चली गोली से एक सहायक उपनिरीक्षक (ASI) की मौत हो गई। गोली सीधे उनके सिर में लगी, जिससे मौके पर ही उनकी हालत गंभीर हो गई और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान महावीर सिंह के रूप में हुई है, जो कोतवाली थाने में एएसआई के पद पर तैनात थे। बताया जा रहा है कि कुछ ही दिन पहले उनका हेड कॉन्स्टेबल से एएसआई पद पर प्रमोशन हुआ था। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे महावीर सिंह अपने घर पर सर्विस रिवॉल्वर से गोलियां निकाल रहे थे। वे रिवॉल्वर को सुरक्षित रखने के लिए उसे अनलोड कर रहे थे और तीन गोलियां निकाल भी चुके थे। इसी दौरान चौथी गोली निकालते समय अचानक फायर हो गया और गोली उनके सिर में जा लगी। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घर की ओर दौड़ पड़े और कुछ ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करवाकर जांच शुरू की तथा शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतक के चचेरे भाई तेजप्रताप सिंह ने बताया कि महावीर सिंह रात में ड्यूटी पर थे और सुबह घर लौटे थे। घर पहुंचकर उन्होंने चाय बनाने के लिए कहा और इसी दौरान अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोलियां निकालने लगे। उन्होंने यह भी कहा था कि लोडेड रिवॉल्वर घर में रखना ठीक नहीं है। महावीर सिंह साल 2003 में पुलिस में भर्ती हुए थे। उनके पिता अर्जुन सिंह राठौड़ भी राजस्थान पुलिस में थे। वे 2018 में भीमगंज पुलिस थाने से ASI पद से रिटायर हुए थे।

तेल से भरा टैंकर पलटा, ड्राइवर कैबिन में फंसा रहा, लोग सरसों के तेल पर टूट पड़े

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मानवता लगता है अब बची ही नहीं है। मुसीबत में फंसे व्यक्ति की मदद करना तो दूर, यहां तो लोग उसी को लूटने के लिए आतुर हो गए। गोगुंदा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अजीब और चिंताजनक दृश्य देखने को मिला, जहां एक ओर सड़क किनारे पलटे टैंकर में ड्राइवर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था, वहीं दूसरी ओर आसपास के गांवों से पहुंचे लोग बहते सरसों के तेल को बर्तनों में भरने की होड़ में लग गए। हादसा नेशनल हाईवे-27 पर कीर्तिराज होटल के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात के कांडला से मध्यप्रदेश के नीमच की ओर सरसों का तेल लेकर जा रहा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। टैंकर पलटते ही उसका चालक भाई ठाकुर (40) निवासी पालनपुर, गुजरात कैबिन में बुरी तरह फंस गया और घायल हो गया। हादसे के बाद टैंकर में भरा तेल सड़क किनारे बहने लगा। कुछ ही देर में आसपास के गांवों में खबर फैल गई और सैकड़ों लोग बाल्टियां, ड्रम और खाली बर्तन लेकर मौके पर पहुंच गए। इस दौरान घायल चालक को बाहर निकालने के बजाय लोगों में तेल भरने की होड़ मच गई, जिससे हालात अव्यवस्थित हो गए। सूचना मिलने पर गोगुंदा थाना पुलिस के उपनिरीक्षक हितेश यादव पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पहले भीड़ को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया और फिर कैबिन में फंसे चालक को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसा ढलान वाले हिस्से में टैंकर को न्यूट्रल करने के कारण हुआ माना जा रहा है। नियंत्रण खोने के बाद टैंकर चट्टान से टकराकर सड़क किनारे पलट गया। घटना के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से टैंकर को सड़क किनारे खड़ा करवाया और यातायात को सुचारू किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस मामले में उन लोगों को भी दंड दिया जाना चाहिए जो तेल लूटने मौके पर पहुंचे थे।

ट्रांसजेण्डर समुदाय के उत्थान के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मार्च। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान द्वारा ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं से जोडने हेतु जिला स्तरीय समिति के गठन के निर्देश दिए गए हैं। संयुक्त निदेशक, गिरीश भटनागर ने बताया कि समिति में 2 ट्रांसजेण्डर समुदाय के प्रतिनिधि के मनोनयन हेतु आवेदन (मय शैक्षणिक योग्यता एवं ट्रांसजेण्डर समुदाय के कल्याण कार्यो में अनुभव यदि हो) जिला कार्यालय, प्रस्तुत किए जा सकते हैं। तत्पश्चात चिन्हित नाम जिला कलक्टर महोदय के अभिशंषा से राज्य स्तर पर भिजवाए जाएंगे। इच्छुक व्यक्ति 9 मार्च तक आवेदन जिला कार्यालय में जमा करा सकते हैं।

खाड़ी देशों में काम कर रहे वागड़ प्रवासियों की सुरक्षा की मांग

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। वागड़ क्षेत्र के हजारों प्रवासी मजदूरों और कामगारों की सुरक्षा को लेकर सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा ने पहल की है। उन्होंने खाड़ी देशों में कार्यरत स्थानीय लोगों की स्थिति पर चिंता जताते हुए केंद्र और राज्य स्तर पर इस मुद्दे को उठाया है। विधायक डेचा ने इस संबंध में जयपुर में प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से मुलाकात कर खाड़ी देशों में काम कर रहे वागड़ क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर संभाग से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए विदेशों में काम कर रहे हैं। डेचा के अनुसार वर्तमान में वागड़ क्षेत्र के दस हजार से अधिक लोग कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, कतर, ओमान, अबू धाबी, ईरान, इराक और दुबई सहित विभिन्न खाड़ी देशों में कार्यरत हैं। ऐसे में बदलते अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए इन प्रवासियों की सुरक्षा और सहायता को लेकर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। विधायक ने गृह राज्य मंत्री से आग्रह किया कि विदेशों में रह रहे राजस्थानियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और किसी भी आपात स्थिति में उन्हें तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही विधायक डेचा ने केंद्रीय विदेश मंत्री को भी पत्र लिखकर खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

फाल्गुन गीतों की फुहार के साथ होली मिलन समारोह सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मार्च। मातुश्री महिला क्बल उदयपुर की ओर से शुक्रवार को संस्थापक कौशल्या गट्टानी के नेतृत्व में फाल्गुन गीतों की फुहारों साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मातुश्री क्लब की आशा कोठारी ने बताया कि होली मिलन समारोह में अन्नु कोठारी ग्रुप व सुमन मंत्री ग्रुप ने हास्य नाटिका पर प्रस्तुति दी। कुसुम मारू ग्रुप, साधना खतुरिया ग्रुप, कल्पना तिवारी ग्रुप ने फाल्गुन के गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं हेमलता शर्मा व अलका व्यास ग्रुप ने एकल नृत्य कर समा बांध दिया। सभी सदस्यों ने फूलों के साथ होली खेली। महिला सदस्यों ने फागोत्सव की थीम पर रंग-बिरंगी एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक लोकगीतों, मनमोहक नृत्यों तथा होली के उत्सवी रंगों से सजी प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह उल्लासमय बना दिया। उपस्थित दर्शक भाव-विभोर होकर तालियों की गडगड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे। सभी को क्लब की ओर से पुरस्कार वितरित किए गए। मातुश्री क्लब की सदस्याएं ने फागणिया व पिलिया ड्रेस कोड में नजर आई। इस अवसर पर क्लब की संरक्षिक जनक बांगड़, अध्यक्षा आभा झंवर, सचिव सुनिता शर्मा ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान मातुश्री क्लब की 70 से अधिक महिलाएं मौजूद रही।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को उदयपुर में

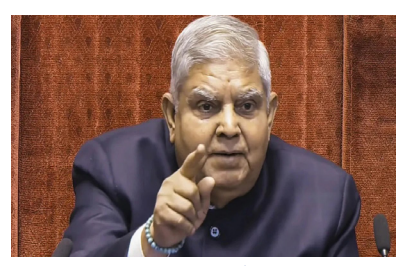

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मार्च। पूर्व उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ 9 मार्च को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। श्री धनखड़ सोमवार को दोपहर 1.20 बजे वायुयान द्वारा दिल्ली से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग द्वारा उदयपुर आएंगे। श्री धनखड़ स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनका रात्रि विश्राम उदयपुर में रहेगा। अगले दिन 10 मार्च को सायं 5 बजे वायुयान द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

जयपुर में जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार ढही, मलबे में दबे 15 लोग; छह गंभीर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के दौरान एक मस्जिद में अचानक दीवार गिरने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में करीब 15 लोग मलबे के नीचे दब गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र स्थित फिरदौस मस्जिद में दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। उस समय मस्जिद में जुमे की नमाज के कारण बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नमाज खत्म होने के बाद जब लोग बाहर निकल रहे थे, तभी पहली मंजिल की बालकनी से जुड़ी दीवार का एक हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। हादसे के समय मस्जिद परिसर में करीब एक हजार नमाजी मौजूद थे। दीवार गिरते ही लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य को तेज किया गया। घायलों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद छह गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। गंभीर रूप से घायल लोगों में रुस्तम (40), ईशान (34), खुर्शीद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20) और इकबाल (18) शामिल हैं। कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एस. तंवर के अनुसार कुल 15 घायल अस्पताल लाए गए थे। इनमें से अधिकांश को हल्की चोटें आई थीं, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि छह घायलों को बेहतर इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नमाज के बाद मस्जिद की पहली मंजिल की बालकनी पर लोगों की भीड़ बढ़ गई थी, जिससे दीवार पर दबाव बढ़ गया। इसी दबाव के चलते दीवार का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। दीवार के पास कुछ बच्चे और महिलाएं भी बैठी हुई थीं, जो अचानक मलबे की चपेट में आ गईं।

गोवर्धनविलास पुलिस का बड़ा वार: 5 करोड़ की अवैध अंग्रेजी शराब से भरा कंटेनर जब्त, तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत उदयपुर जिला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। योगेश गोयल (जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर) के निर्देशन में गोवर्धनविलास पुलिस थाना की टीम ने कार्रवाई करते हुए पंजाब और राजस्थान निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब से भरा एक कंटेनर ट्रक जब्त कर लिया। ट्रक से कुल 1203 कार्टून शराब बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह शराब तस्करी के जरिए गुजरात ले जाई जा रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कंटेनर ट्रक को जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी

थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को 5 मार्च को सर्कल गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि डाकन कोटड़ा की ओर से एक कंटेनर ट्रक अवैध शराब लेकर काया हाईवे से गुजरात की तरफ जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने काया पुलिया के पास नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिये का कंटेनर ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने वाहन को रुकवाकर चालक से पूछताछ की। चालक ने अपना नाम गोपाल सिंह पुत्र छोगसिंह, निवासी धोरा राजवा, थाना बार, जिला ब्यावर बताया।

सोयाबीन की बोरियों की आड़ में छिपाई शराब

पुलिस को चालक के व्यवहार पर संदेह हुआ तो ट्रक की तलाशी ली गई। जांच में सामने आया कि ट्रक में सोयाबीन के कट्टों की आड़ में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब के 1203 कार्टून छिपाकर रखे गए थे। जब चालक से शराब परिवहन का लाइसेंस या अनुज्ञापत्र मांगा गया तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। इस पर पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और ट्रक समेत पूरी खेप जब्त कर ली।

आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण संख्या 100/2026 के तहत धारा 19/54 राजस्थान आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि शराब तस्करी के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह खेप कहां से लोड हुई और गुजरात में किसे सप्लाई की जानी थी।

871 वर्ष बाद जैसलमेर में ऐतिहासिक चादर महोत्सव: मोहन भागवत ने किए दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन

24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर। रेगिस्तानी नगरी जैसलमेर इन दिनों आध्यात्मिक आस्था और ऐतिहासिक परंपरा के अद्भुत संगम की साक्षी बन रही है। यहां आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भाग लेते हुए दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए और समाज को एकता तथा सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। डॉ. भागवत सुबह जैसलमेर पहुंचे और ई-रिक्शा से ऐतिहासिक सोनार दुर्ग तक गए। किले में स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन-पूजन किया। इसके बाद जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार तथा दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन कर श्रद्धा अर्पित की।

871 वर्ष बाद हो रहा चादर का अभिषेक

महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण 871 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दादा गुरुदेव की पावन चादर का विधिवत अभिषेक और सार्वजनिक दर्शन है। इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने के लिए देशभर से जैन समाज के हजारों श्रद्धालु जैसलमेर पहुंचे हैं। साधु-संतों और समाज के प्रतिनिधियों की बड़ी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया है।

मुख्य समारोह में हुए कई लोकार्पण

देदांसर मेला मैदान में आयोजित मुख्य धर्मसभा में डॉ. मोहन भागवत ने दादा गुरुदेव की स्मृति में स्मारक सिक्का और पांच रुपये का डाक टिकट जारी किया। इसके साथ ही 'दादा गुरुदेव' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। समारोह में विभिन्न संत-महात्माओं और समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने दादा गुरुदेव की परंपरा और उनके आध्यात्मिक योगदान को याद किया।

विविधता में एकता का संदेश

अपने संबोधन में डॉ. भागवत ने कहा कि सत्य शाश्वत और सार्वभौमिक है, लेकिन उसे देखने की दृष्टि अलग-अलग हो सकती है। मनुष्य सीमित दृष्टि से संसार को समझता है, इसलिए विचारों में विविधता स्वाभाविक है। जैन दर्शन का अनेकांतवाद इसी सत्य को स्वीकार करता है कि विभिन्न दृष्टिकोण मिलकर ही व्यापक सत्य की अनुभूति कराते हैं।

अहिंसा और समरसता पर संतों का बल

धर्मसभा को संबोधित करते हुए

खरतरगच्छाधिपति जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज ने जैन धर्म को अहिंसा और समरसता का संदेश देने वाला धर्म बताया। उन्होंने कहा कि समाज की शक्ति एकता में निहित है, जैसे पांच उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं तो उसकी ताकत बढ़ जाती है। महोत्सव में जैन संतों के साथ देशभर से आए श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन स्थल पर महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग बैठक व्यवस्था की गई है। प्रशासन और आयोजकों ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं।

खेत के कुएं में गिरने से 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चंदेरिया थाना क्षेत्र के नया खेड़ा गांव में शुक्रवार सुबह खेत में बने गहरे कुएं में गिरने से 85 वर्षीय डाली बाई जटिया की मौत हो गई। बताया गया कि वह सुबह खेत में बने बावजी पर धोक लगाने गई थीं, तभी कम दिखाई देने के कारण संतुलन बिगड़ने से करीब 120 फीट गहरे कुएं में गिर गईं। घटना के दौरान युवक ईश्वर जटिया ने आवाज सुनकर ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने करीब ढाई घंटे तक रस्सियों के सहारे महिला को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। मृतका के भतीजे राधेश्याम जटिया ने बताया कि कुएं में करीब 80-90 फीट तक पानी भरा होने से तलाश में काफी कठिनाई हुई। करीब पांच घंटे बाद दोपहर 12 बजे सिविल डिफेंस टीम ने शव को बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन में सिविल डिफेंस के कैलाश चंद्र वैष्णव, राजकुमार भोई, रामलाल भोई, मुकेश भोई, रतनलाल भोई, नारायण कीर, अर्जुन लखारा, प्रियदर्शन सिंह और रतनलाल पूर्बिया सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। टीम ने सुरक्षा उपकरणों के साथ कुएं में उतरकर शव को बाहर निकाला।

उदयपुर–जयपुर रेलसेवाएं प्रभावित: कनकपुरा स्टेशन पर तकनीकी कार्य के कारण कई ट्रेनें रद्द और मार्ग परिवर्तित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर मंडल के कनकपुरा रेलवे स्टेशन यार्ड में तकनीकी कार्य के चलते आने वाले दिनों में रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशन यार्ड में गैर-इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण कई रेलगाड़ियां रद्द रहेंगी, कुछ आंशिक रूप से रद्द की गई हैं, जबकि कई रेलसेवाओं का मार्ग परिवर्तित किया गया है। इसका असर उदयपुर, अजमेर, जयपुर सहित कई मार्गों पर चलने वाली रेलसेवाओं पर पड़ेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार इस तकनीकी कार्य के चलते विभिन्न तिथियों में अनेक रेलगाड़ियों का संचालन प्रभावित रहेगा। यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की गई है। उदयपुर–जयपुर रेलसेवाएं भी प्रभावित तकनीकी कार्य के कारण उदयपुर सिटी–जयपुर रेलसेवा (12991) 9, 10 और 12 मई को उदयपुर से चलकर केवल अजमेर तक ही संचालित होगी। इस अवधि में यह ट्रेन अजमेर और जयपुर के बीच नहीं चलेगी। इसी प्रकार जयपुर–उदयपुर सिटी रेलसेवा (12992) 9, 10 और 12 मई को जयपुर के स्थान पर अजमेर से संचालित की जाएगी। यानी इन तिथियों में यह रेलसेवा जयपुर और अजमेर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। कई रेलगाड़ियां रहेंगी पूरी तरह रद्द कनकपुरा स्टेशन यार्ड में कार्य के चलते कुछ रेलगाड़ियों को पूरी तरह रद्द किया गया है। इनमें भोपाल–जोधपुर, जोधपुर–भोपाल तथा अजमेर–गंगापुर सिटी जैसी रेलसेवाएं शामिल हैं। इन रेलगाड़ियों के निर्धारित कई फेरे निरस्त किए गए हैं। कई ट्रेनों का संचालन आंशिक रूप से रद्द तकनीकी कार्य के दौरान आगरा फोर्ट–अजमेर, नई दिल्ली–दौराई शताब्दी, जबलपुर–अजमेर, जैसलमेर–जयपुर सहित कई रेलसेवाओं का संचालन बीच के स्टेशनों तक सीमित रहेगा। इन ट्रेनों के कुछ हिस्सों के बीच सेवा अस्थायी रूप से बंद रहेगी। कई ट्रेनों का मार्ग बदला कुछ रेलगाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से संचालित किया जाएगा। इनमें दिल्ली सराय–बांद्रा टर्मिनस, जैसलमेर–काठगोदाम, अजमेर–किशनगंज, पोरबंदर–मुजफ्फरपुर और न्यू जलपाईगुड़ी–उदयपुर सिटी जैसी रेलसेवाएं शामिल हैं। इन ट्रेनों को रेवाड़ी, रींगस और फुलेरा मार्ग से चलाया जाएगा और बीच के कुछ स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव भी दिया जाएगा। कुछ रेलगाड़ियां देरी से चलेंगी तकनीकी कार्य के कारण जोधपुर–वाराणसी सिटी, अजमेर–सियालदह और इंदौर–जोधपुर जैसी रेलगाड़ियां अपने निर्धारित समय से एक से तीन घंटे की देरी से रवाना होंगी। कनकपुरा स्टेशन पर नहीं होगा ठहराव कुछ रेलगाड़ियों का कनकपुरा स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहराव भी समाप्त किया गया है। इनमें भोपाल–जोधपुर, जयपुर–जैसलमेर, जयपुर–भोपाल और जयपुर–उदयपुर सिटी विशेष रेलसेवा सहित कई गाड़ियां शामिल हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले संबंधित रेलगाड़ी की जानकारी रेलवे की आधिकारिक सूचना प्रणाली या हेल्पलाइन से अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

27 अप्रैल को संभाग स्तरीय पेंशन अदालत, शिक्षा विभाग के पेंशनर्स की समस्याओं का होगा निस्तारण

25 मार्च तक दर्ज कर सकेंगे परिवेदनाएं, विधवा, परित्यक्ता व दिव्यांग पेंशनर्स को प्राथमिकता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मार्च। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 27 अप्रैल 2026 को उदयपुर में संभाग स्तरीय पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। इसको लेकर शुक्रवार को पेंशन विभाग क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर में पूर्व तैयारी बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त निदेशक पेंशन रूचि प्रियदर्शी, ग्रामीण कोषाधिकारी प्रीति वर्मा, संयुक्त निदेशक शिक्षा कार्यालय उदयपुर के प्रतिनिधि तथा पेंशन समाज के अध्यक्ष भंवर सेठ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अतिरिक्त निदेशक पेंशन रूचि प्रियदर्शी ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाली पहली पेंशन अदालत शिक्षा विभाग को समर्पित रहेगी। इसमें विशेष रूप से विधवा, परित्यक्ता और दिव्यांग पेंशनर्स के प्रकरणों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। शिक्षा विभाग में आगामी महीनों में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के लिए विभागीय स्तर पर 14 बिंदुओं की चेकलिस्ट जारी की गई है। इसके माध्यम से सेवानिवृत्ति से पहले ही पेंशन प्रकरणों की जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा सकेंगी।

न्यायिक और नीतिगत मामले शामिल नहीं होंगे

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पेंशन अदालत में न्यायिक और नीतिगत मामलों को शामिल नहीं किया जाएगा। शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारी और पेंशनर्स अपनी शिकायतें या परिवेदनाएं 25 मार्च 2026 तक संयुक्त निदेशक शिक्षा कार्यालय, संभाग के जिलों के कोषाधिकारी कार्यालयों या पेंशन विभाग क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर में प्रस्तुत कर सकते हैं। पेंशन अदालत की तैयारियों के लिए क्षेत्रीय कार्यालय में एक विशेष सेल का गठन किया गया है। इस सेल के नोडल अधिकारी मयंक व्यास (उपनिदेशक) होंगे, जबकि मुख्य सहायक अमिउद्दीन गौरी, कुणाल श्रीमाल और पंकज रेवाड़ को सदस्य बनाया गया है। पेंशनर्स अपनी परिवेदनाएं निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से 25 मार्च तक अनिवार्य रूप से भेज सकते हैं। बैठक के अंत में अतिरिक्त निदेशक रूचि प्रियदर्शी ने सभी संबंधित विभागों और पेंशनर्स से अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस प्रथम पेंशन अदालत को सफल बनाने का आह्वान किया।

मधुमक्खियों के हमले से रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी, दो महिलाओं को PPE किट पहनकर किया रेस्क्यू

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। मारवाड़ मूंडवा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार दोपहर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने यात्रियों पर हमला कर दिया, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हमले में कई यात्रियों को डंक लगे, जबकि दो महिला यात्री मधुमक्खियों के झुंड से बुरी तरह घिर गईं। काफी देर तक दोनों महिलाएं शॉल और चद्दर ओढ़कर खुद को बचाने की कोशिश करती रहीं। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में भय और भगदड़ का माहौल दिखाई दे रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर करीब एक बजे की है, जब यात्री ऋषिकेश-बाड़मेर एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड प्लेटफॉर्म की ओर आ गया और यात्रियों पर टूट पड़ा। कई लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे, जबकि दो महिलाएं मधुमक्खियों के झुंड में फंस गईं। एक महिला रास्ते में बैठकर चद्दर से खुद को ढकती रही, वहीं दूसरी महिला लंबे समय तक शॉल ओढ़कर बचाव करती रही। आसपास मौजूद यात्रियों ने भी साहस दिखाते हुए महिलाओं की ओर एक और चद्दर फेंकी, जिससे उन्होंने किसी तरह खुद को ढककर बचाव किया। घटना की सूचना मिलने पर मूंडवा अस्पताल से 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस कर्मियों ने जोखिम को देखते हुए पीपीई किट पहनकर दोनों महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मधुमक्खियों के हमले के बाद स्टेशन पर टिकट लेने आए यात्रियों में भी दहशत फैल गई। कई लोग अपने चेहरे और शरीर को कपड़ों से ढककर किसी तरह टिकट खिड़की तक पहुंचे। कुछ देर तक स्टेशन परिसर में भय का माहौल बना रहा, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

राष्ट्रीय कॉन्स-एंडो डे पर दर्शन डेंटल कॉलेज में वृक्षारोपण व जनजागरूकता कार्यक्रम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 मार्च। दर्शन डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स विभाग द्वारा राष्ट्रीय कॉन्स-एंडो डे के अवसर पर वृक्षारोपण और मौखिक स्वास्थ्य जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "प्रिज़र्व रिस्टोर सेव द टीथ" रखा गया, जिसके माध्यम से दाँतों की सुरक्षा और मौखिक स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के समन्वयक श्री एन.एस. खामेश्वरा, प्राचार्य डॉ. विकास पुनिया, विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या कपूर पुनिया सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. विकास पुनिया ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दाँतों की देखभाल और स्वच्छ पर्यावरण दोनों ही आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध और संतुलित बनाए रखते हैं, उसी प्रकार नियमित दंत देखभाल हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समाज में पर्यावरण संरक्षण और मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या कपूर पुनिया ने बताया कि कॉन्स-एंडो डे का मुख्य उद्देश्य लोगों को दाँतों की जड़ों और आंतरिक ऊतकों से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार और नियमित दंत परामर्श से दाँतों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पौधारोपण किया। इसके साथ ही रील मेकिंग, लोगो डिजाइनिंग और ई-पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाटिया नाई समाज का सामूहिक लग्न पत्रिका एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के निकट गोरेश्वर स्थित माँ ज्वाला के प्रांगण में भाटिया नाई समाज की ओर से सामूहिक लग्न पत्रिका एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के 90 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को कुवैत मंडल साहेठ की ओर से प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुखलाल चितरी की ओर से सभी विद्यार्थियों को टिफिन बॉक्स भेंट किए गए, वहीं नितिन आजाद टामटिया द्वारा प्रत्येक कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर 11 जोड़ों का लग्न-टीप भरत भट्ट, छोटा दिवड़ा बड़ा द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधिवत लिखा गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व 16 चौखला अध्यक्ष जवाहर भीलुड़ा, जिला अध्यक्ष अर्जुन भाटिया (सागवाड़ा) तथा कुवैत मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश (पुनर्वास कॉलोनी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश दिवड़ा बड़ा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शंभुलाल सामलिया और प्रकाश नंदौड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जयेश सेलोता ने किया और विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समाज के जिला अध्यक्ष अर्जुन भाटिया ने बताया कि समाज में आर्थिक बोझ कम करने और समय की बचत के उद्देश्य से इस प्रकार के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे समाज में एकता बढ़ती है और आर्थिक रूप से सशक्त बनने में सहायता मिलती है। कार्यक्रम में पूर्व चौखला अध्यक्ष रमेश वरदा, सुरेश दिवड़ा (छोटा), भिखालाल विराट, लाला भाई ओबरी, जगदीश कानपुर, मीठालाल पाठनपुर, रमेश गलियाकोट, कांतिलाल खेड़ासा, गटूलाल डेचा, तीनों पार्टी अध्यक्ष कचरालाल (गामड़ा), भरत (सागवाड़ा) एवं राजेंद्र चितरी सहित मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक भीलुड़ा, सुखलाल चितरी, सुदेश, रणछोड़ सागवाड़ा, अरविंद कॉलोनी, ईश्वरलाल, कन्हैयालाल झोसावा, दिलीप आरा, जगदीश खड़गदा, हेमंत दिवड़ा बड़ा, रोशन भीलुड़ा, दिनेश लिमडी, संतोष गलियाकोट, जगदीश खड़गदा, अशोक दिवड़ा छोटा, दिनेश, सुभाष भीलुड़ा, रमेश, डायलाल गोवाड़ी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 6000 लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भामाशाह परंपरा के अनुसार कुवैत मंडल द्वारा की गई। समारोह में समाज के गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

शिक्षा संकुल में शिक्षकों की समस्याओं पर मंथन, शिक्षक संघ ने मंत्री के सामने रखी मांगों की सूची

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जयपुर, 6 मार्च। प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और शिक्षकों से जुड़ी लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल जयपुर स्थित शिक्षा संकुल पहुंचा। यहां आयोजित बैठक में शिक्षकों के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और संगठन ने कई महत्वपूर्ण मांगें सरकार के समक्ष रखीं।

बैठक की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने की। इस दौरान शिक्षा सचिव कृष्ण कुमार कुणाल और माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट भी उपस्थित रहे। शिक्षक संघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान और महामंत्री गोपाल मीणा ने संगठन का पक्ष रखते हुए शिक्षकों की समस्याओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में राज्य में नए शैक्षणिक सत्र को 1 अप्रैल से शुरू करने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इस पर संगठन ने कुछ व्यावहारिक सुझावों के साथ अपनी सहमति जताई। प्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षक सरकारी विद्यालयों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नामांकन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि कई सरकारी विद्यालयों में मानव संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं की कमी, बड़ी संख्या में रिक्त पद, तृतीय श्रेणी शिक्षकों की लंबित डीपीसी, और शिक्षकों पर बढ़ते गैर-शैक्षणिक कार्यों का दबाव शैक्षणिक वातावरण को प्रभावित कर रहा है। इन समस्याओं के समाधान के बिना आदर्श विद्यालय की परिकल्पना को साकार करना मुश्किल है।

प्रतिनिधिमंडल ने बैठक में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शीघ्र स्टाफिंग पैटर्न लागू करने की मांग उठाई। इसके साथ ही पंचायत शिक्षक, विद्यालय सहायक, संविदा शिक्षक, शिक्षाकर्मी और पैराटीचर को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग भी रखी गई।

संगठन ने विद्यालयों को समय पर कम्पोजिट ग्रांट, ईको क्लब की राशि, खेल सामग्री उपलब्ध कराने और कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पोशाक सत्र की शुरुआत में ही उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसके अलावा संघ ने दो से अधिक संतान वाले कर्मचारियों को भी पदोन्नति और एसीपी का लाभ देने, शारीरिक शिक्षकों के शीघ्र स्थायीकरण, वर्ष 2022-23 में क्रमोन्नत विद्यालयों में नए पद सृजित कर उन्हें भरने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण और पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की मांग भी रखी। बैठक में वर्ष 2007-08 में सीधी भर्ती से नियुक्त तृतीय श्रेणी शिक्षकों और प्रबोधकों की वेतन विसंगतियों को दूर करने तथा शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने की मांग का ज्ञापन भी शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक को सौंपा गया।

बीएन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की शुरुआत, स्वास्थ्य-कृषि और उद्योग में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका पर मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विज्ञान, स्वास्थ्य और सतत विकास के संगम पर भविष्य की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय अंतर्गत संचालित बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुक्रवार को भव्य आगाज हुआ। "बायोटेक्नोलॉजी एट द नेक्सस ऑफ हेल्थ, इंडस्ट्री, एग्रीकल्चर एंड सस्टेनेबिलिटी" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो रेणू राठौड़ ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि विज्ञान और समाज के बीच संवाद को मजबूत बनाने में ऐसे अकादमिक आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि डॉ केतना माटेकर (संस्थापक एवं निदेशक, सिफर एनवायरमेंटल सॉल्यूशंस एलएलपी) ने कहा कि भारत में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को तेजी से प्रोत्साहन मिल रहा है।

केंद्र सरकार वित्तीय सहायता, नीतिगत समर्थन और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इस क्षेत्र को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने बताया कि बायोफार्मा शक्ति योजना और बायोटेक पार्कों की स्थापना जैसे कदम इसी दिशा में उठाए गए हैं तथा वर्ष 2030 तक 300 बिलियन डॉलर की बायोइकोनॉमी का लक्ष्य रखा गया है। प्रख्यात सूक्ष्मजीव विज्ञानी डॉ नंदिनी फन्से (इंदौर) ने अपने संबोधन में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के संबंध को रोचक ढंग से समझाते हुए कहा कि भारतीय परिवारों में दादी-नानी पीढ़ियों से घरेलू नुस्खों और रसोई के मसालों के जरिए स्वास्थ्य की देखभाल करती आई हैं—एक तरह से वे भी अपने स्तर पर बायोटेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका निभाती रही हैं। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो चेतन सिंह चौहान ने कहा कि फार्मास्यूटिकल और बायोटेक्नोलॉजी जीवन विज्ञान के दो ऐसे स्तंभ हैं जो मिलकर मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन मानद कर्नल प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत, डॉ महेंद्र सिंह राठौड़ (सचिव, विप्रस), मोहब्बत सिंह राठौड़ (प्रबंध निदेशक) तथा कुलसचिव डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड़ ने अपने संदेश में कहा कि जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में नई दवाएं, उन्नत फसलें और टिकाऊ समाधान विकसित हो रहे हैं। यह क्षेत्र बायोफार्मास्युटिकल, जेनेटिक इंजीनियरिंग और बायोइन्फॉर्मेटिक्स जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए उच्च वेतन और शोध के व्यापक अवसर प्रदान कर रहा है।

कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ प्रज्ञा राठौड़ ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के शोधकर्ताओं द्वारा हाइब्रिड मोड में 45 शोध पत्रों का वाचन किया जाएगा। इस अवसर पर विभाग द्वारा प्रकाशित स्मारिका (सुविनियर) का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ विपिन नागदा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ प्रवीणा राठौड़, डॉ मनीषा शेखावत तथा डॉ रीना मेहता ने किया।

सांसद मन्नालाल रावत ने महाराणा प्रताप खेलगांव का किया निरीक्षण, खेल सुविधाओं को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मन्नालाल रावत ने महाराणा प्रताप खेलगांव का दौरा कर वहां विकसित की जा रही खेल सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहुउद्देश्यीय आच्छादित क्रीड़ा भवन में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन भी उपस्थित रहे। सांसद ने अधिकारियों से क्रीड़ा भवन से संबंधित सभी कार्यों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद सांसद ने खेलगांव स्थित क्रिकेट मैदान का भी अवलोकन किया। यहां दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था विकसित करने के संबंध में उदयपुर विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता हितेश सुखवाल, अभियंता नीरज माथुर तथा अभियंता राजीव गुप्ता को प्रस्ताव तथा लागत का अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान सांसद ने नवनिर्मित एथलेटिक्स दौड़ पथ और लेक्रोस खेल मैदान का भी निरीक्षण किया। दोनों खेल मैदानों को शीघ्र प्रारंभ करने के विषय में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. महेश पालीवाल ने खेलगांव में संचालित विभिन्न खेल गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां संचालित प्रशिक्षण केंद्रों से कई खिलाड़ी राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं। सांसद मन्नालाल रावत ने खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेलगांव के समुचित विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।